1. The Grandmother poem in Hindi | कक्षा 9 अंग्रेजी दादी माँ Notes

RAY YOUNG BEAR (b.1950) is a Native American poet and novelist of the Mesquaki tribe of North America. Growing up on the Mesquaki Tribal Settlement in lowa, he was encouraged to learn English by his maternal grandmother, und he began to translate his poems into that language. His work was first published in 1968. He often switches between English and the Meskwaki language to express himself more fully in the present poem, "The Grandmother", he draws a picture of his grandmother, all-loving and all-inspiring.

राय यंग बियर (जन्म 1950) अमेरिका में जन्मे कवि और उतरी अमेरिका के मेस्काकी वर्ग के उपन्यासकार है। इओवा में मेस्काकीबर्ग में बसे और बड़े हुए, उनको उनकी दादी ने अंग्रेजी सीखने के लिए उत्साहित किया और उन्होंने अपनी कविताओं को अंग्रेजी भाषा में अनुवाद करना शुरू कर दिया। उनकी पहली रचना 1968 में प्रकाशित हुई। वे प्रायः अपने मन की बातें पूरी तरह कहने के लिए अंग्रेजी और मेरकाकी भाषा के बीच बदल देते थे। प्रस्तुत कविता 'The Grandmother' में, उन्होंने अपनी दादी माँ की तस्वीर खींची है, बिल्कुल प्यारा और प्रेरणादायक।

THE GRANDMOTHER

if I were to see
her shape from a mile away
I'd know so quickly
that it would be her
the purple scarf
and the plastic
shopping bag.
if i felt
hands on my head
I'd know that those
were her hands
warm and damp
with the smell
of roots.
if I heard
a voice
coming from
a rock

I'd know
and her words
would flow inside me
like the light
of someone
stirring ashes
from a sleeping fire
at night .

यदि मैं देखता था
उसका चेहरा मिलों दूर से
मैं जल्दी से जान जाता
कि यह उसका ही होगा।
बैंगनी दुपट्टा
और प्लास्टिक का
खरीदारीवाला थैला।
यदि मैं महसूस करता
अपने सर पर हाथ
मैं उसको जान जाता
ये उसके ही हाथ थे
यदि मैं मिलों दूर से उसका चेहरा देखता था
मैं शीघ्र ही जान जाता था कि यह उसका
चेहरा है बैंगनी दुपट्टा और खरीदारी का थैला लिए
यदि मेरे सर पर कोई गरम और
भींगा हाथ रखती, मैं जान जाता कि ये
उसी के हाथ हैं, जड़ की सुगंध के साथ।
गरम और भींगा
जड़ों की गंध के साथ।
यदि मैं सुनता हूँ
कोई आवाज
आते हुए
किसी चट्टान से
मैं जान जाता हूँ
उसके शब्द हैं,
मेरे अंदर बहेगा
प्रकाश की भाँति
जैसे कोई

https://www.evidyarthi.in/

वे हलचल पैदा करनेवाले धुओं को
सोये हुए आग से
रात में।

यदि मैं किसी चट्टान से आती आवाज को
सुनता मैं जग जाता कि ये उसके शब्द हैं।
जो मेरे अंदर उस प्रकाश की भाँति
प्रवाहित हो रहे हैं जिसे किसी ने
रात में बुझे हुए आग में
हलचल पैदा करनेवाले धुएँ
निकालने को बाध्य कर दिया है